Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

10,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com mobile number 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

किसान मेले में किसानों की रही भारी गहमा

गहमी, रबी फसलों के बीज रहे मुख्य आकर्षण का केंद्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज भी प्रदेश भर से किसानों का आना जारी रहा।आज मेले के दूसरे दिन कल्याणपुर विधानसभा की विधायिका श्रीमती नीलिमा कटियार जी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा उन्हें कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह के गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं। इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी,विश्वविद्यालय, आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं ।मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया। कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर राजीव ने किया। जबकि अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने किया। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय,अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

10,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कृषि उद्योग प्रदर्शनी में कृषकों ने मिलेट्स फसलों के सम्बन्ध में प्राप्त की तकनीकी जानकारी

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल Reporter

मिलेट्स की उन्नति हेतु जागरूगता कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद स्तरीय रोड शो का आयोजन किया गया

कानपुर नगर, दिनांक 09 अक्टूबर, 2023 (सू0वि0)नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन योजनान्तर्गत न्यूट्री सीरियल्स घटक के अन्तर्गत मिलेट्स की उन्नति हेतु जागरूगता कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद स्तरीय रोड शो का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ श्री सुधीर कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रोड शो कृषि भवन परिसर, गुमटी नं0-9, रावतपुर, कानपुर नगर से प्रारम्भ होकर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित "अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी" में पहुँचकर सम्पन्न हुआ, इसके उपरान्त कृषकगणों द्वारा मेले में लगे स्टालों का अवलोकन किया गया। रोड शो में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषकों ने साहित्य प्राप्त कर मिलेट्स फसलों के सम्बन्ध में तकनीकी जानकारी प्राप्त की । इस अवसर पर उप कृषि निदेशक चौधरी अरूण कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषकगण उपस्थित रहें।

आज 10/10/2023 महानगर

किसान संतुलित उर्वरक के साथ जैविक खेती को दें बढ़ावा

कार्यक्रम को सम्बोधित करतीं विधायक नीलिमा कटियार।

40 लाख से अधिक हुई बीजों की बिक्री

कानपुर। सीएसए के किसान मेले में गेहूं, तिहलन सहित गुणवत्तायुक्त बीजों के खरीदने के लिए दूर-दराज से आये किसानों की भारी भीड़ रही। बीज बिक्री स्टाल पर किसानों की लंबी-लंबी लाइनें देखी गई। मेले के पहले दिन 24 लाख रुपये के बीजों की बिक्री हुई थी। इसके बाद आज भी 40 से 45 लाख रुपये की बीज बिक्री होने का अनुमान है। मंगलवार को किसान मेले का आखिरी दिन रहेगा और बीज खरीदने वालों की भीड़ रहेगी।

किसान मेले में स्टॉल लगाएं छात्र-छात्राएं।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 9 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार ने किसानों से आह्वान किया कि किसान मेले से खेती संबंधी नवीनतम तकनीक की जानकारी लें और कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का निस्तारण केलिए वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह के गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं। डा. संजीव सचान ने किसानों को हल्दी, धनिया, मिर्च, तेज पत्ता सहित मसालों की खेती करने पर जोर दिया, ताकि किसानों को खेती को व्यवसाय के रूप में लेने पर आमदनी बढ़े। साथ ही देश-विदेश में भारतीय मसालों की काफी डिमांड है, जोकि वर्तमान में मसालों की खेती से लाभ मिलेगा। किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी, विश्वविद्यालय, आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया। कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर राजीव ने किया। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ. पी. के. सिंह, कुलसचिव डॉ. पी. के. उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी एल मौर्य, डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। अतिथियों का धन्यवाद निदेशक प्रसार डा. आर. के यादव ने ज्ञापित किया।

बेकरी उत्पाद तैयार किया, स्टार्टअप भी शुरू

कानपुर। सीएसए के किसान मेले में सीएसजेएम यूनिवर्सिटी की एमएससी की छात्रा सुक्रीति वर्मा ने ओरेंज, चुकन्दर और ब्राउन शुगर से बेकरी उत्पाद तैयार किया है। वहीं छात्रा युसरा ने बेकरी उत्पाद पेश किया, जोकि खाने में काफी टेस्टी है। इसमें छात्रा कृतिक वर्मा, श्रद्धा शर्मा, अभय तोमर आदि छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

अधिकतम तापमान 34.00° >> न्यूनतम तापमान 26.00° >> सूर्योदय 5:58 >> सूर्यास्त 17:57 >> डॉलर 83.20 >> यूरो 8

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-08, अंक-08 | मंगलवार, 10 अक्टूबर 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

किसान मेले में किसानों की रही भारी गहमा गहमी

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज भी प्रदेश भर से किसानों का आना जारी रहा। आज मेले के दूसरे दिन कल्याणपुर विधानसभा की विधायिका नीलिमा कटियार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा उन्हें कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह के गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं। इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी विवि, आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजीव ने किया। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह, कुलसचिव डॉ.पीके उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी एल मौर्य, डॉ. मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

वर्ष-17 अंक-279 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 10 अक्टूबर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

किसान मेले में किसानों की रही भारी गहमा गहमी रबी फसलों के बीज रहे मुख्य आकर्षण का केंद्र

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन भी प्रदेश भर से किसानों का आना जारी रहा। मेले के दूसरे दिन कल्याणपुर विधानसभा की विधायिका श्रीमती नीलिमा कटियार जी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा उन्हें कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह के गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं। इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी,विश्वविद्यालय, आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं ।मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया। कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर राजीव ने किया। जबकि अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने किया। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय,अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सोमवार को पुलिस लाइन लाए गए डीएवी कॉलेज के कर्मचारियों

हिदुस्तान 10/10/2023

कॉलेज में कर्मचारी पिछले
से प्राचार्य व प्रबंध तंत्र के

लखनऊ के लिए रवाना हुए। मगर पुलिस लाइन के पास ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। ह

कृषि मेला | **चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे किसान मेले में मशरूम बना चर्चा का केंद्र, आईसीएआर ने हिमालय में कीड़ों पर होने वाले मशरूम को किया विकसित**

एक लाख का मशरूम कंट्रोल रखेगा बीपी, शुगर व कोलेस्ट्रॉल

कानपुर। प्रमुख संवाददाता। एक लाख रुपये का मशरूम न सिर्फ स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि ब्लडप्रेशर, शुगर व कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करेगा। इसके सेवन से इम्युनिटी पॉवर भी बढ़ेगा। हिमालय व ठंडे क्षेत्रों में पाए जाने वाले इस विशेष मशरूम को आईसीएआर-खुंब अनुसंधान निदेशालय ने ब्राउन राइस पर विकसित किया है। वहीं, दो हजार रुपये का मशरूम कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखेगा। इस मशरूम को भी हिमाचल प्रदेश में तैयार किया गया है।

सीएसए में आयोजित कृषि मेले में आसपास के जिलों के किसान भी आए।

चुकंदर व ऑरेंज की जेली दूर करेगी कमजोरी व एनीमिया

किसान मेले मे छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के फूड टेक्नोलॉजी की छात्रा सुकृति वर्मा, यसरा राबिया फातिमा, कृतिका वर्मा, श्वेता, श्रद्धा, श्रुति, अभय, मानस व उनकी टीम ने चुकंदर व ऑरेंज से एक जेली तैयार की है। जिसके रोजाना सेवन से कमजोरी व एनीमिया की समस्या खत्म होगा। यह स्वादिष्ट होने के साथ फायदेमंद है। इसी तरह, टीम के सदस्यों ने मोटे अनाज से बेकरी उत्पाद तैयार किए हैं, जो लोगों को काफी पसंद आए। वहीं, किसान मेले में विवि के पशुपालन विभाग की ओर से लगे स्टॉल में गाय, भैंस व मुर्गे की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। जिसमे सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र कड़कनाथ रहा।

किसान मेला में हिमाचल प्रदेश के सोलन में स्थित आईसीएआर के खुंब अनुसंधान निदेशालय से आए गुलेर राणा ने बताया कि मशरूम स्वास्थ्य के लिए काफी फायेदमंद है। बताया कि संस्थान में मशरूम की हर प्रजाति पर रिसर्च चल रही है। वैज्ञानिकों ने कीड़ा जड़ी मशरूम पर शोध किया। इसे छोटे-छोटे सफेद कीड़े खाते हैं और फिर मर जाते हैं। फिर यह मशरूम कीड़े पर चार गुना तेजी से निकलता है और बढ़ता है। इसमें काफी फायदेमंद पौष्टिक तत्व होते हैं। इस मशरूम को वैज्ञानिकों ने ब्राउन राइस व कुछ केमिकल की मदद से विकसित किया है।

मेले में दिखी महिलाओं की बराबरी की भागीदारी : प्रदर्शनी के दूसरे दिन सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि विधायक नीलिमा कटियार पहुंची। उन्होंने कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह व अन्य वैज्ञानिकों के साथ मेले के सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया। वहीं, नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन योजना के तहत मिलेट्स (मोटे अनाज) की उन्नति व जागरूकता के लिए सोमवार को जिलास्तरीय रोड-शो का आयोजन हुआ। शुभारंभ सीडीओ सुधीर कुमार ने कृषि भवन से किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 101 कानपुर, मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

vaswaroop.in

स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाने वाली ज्योति ने जीत का श्रेय दिया टीम को 10

किसान मेले में किसानों की रही भारी गहमा गहमी

कानपुर । सीएसए में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज भी प्रदेश भर से किसानों का आना जारी रहा। आज मेले के दूसरे दिन कल्याणपुर विधानसभा की विधायिका नीलिमा कटियार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा उन्हें कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त होने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह के गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं। इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी,विश्वविद्यालय आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं ।मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया। कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर राजीव ने किया। जबकि अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने किया।

इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 10 अक्टूबर • 2023

़सान मेला : उन्नत बीजों के साथ कृषकों को मिली तकनीकी जानकारी

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद ्वं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में चल रहे ा मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी में ों को रवी की फसल के उन्नत वीजों के साथ उपयोगी तकनीकी जानकारी भी ध करायी गयी। मेले में किसानों को ्यूआर कोड की जानकारी दी गयी, ा उपयोग कर किसान अगले पांच दिनों ़म का हाल जान सकेंगे। वहीं किसानों वल की नई प्रजाति इर्री 147 से परिचित ' गया, जो डायविटीज के मरीज भी खा हैं।

ले के दूसरे दिन भाजपा विधायिक ा कटियार मुख्य अतिथि के तौर पर त रहीं। उन्होंने किसानों को इस प्रकार योजनों में वढ़ चढ़कर भाग लेने को हेत किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें संवंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा साथ ही संवंधी अपनी समस्याओं का कृषि कों से हल प्राप्त होने का अवसर ।। उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान वल दिया और महिला स्वयं सहायता गठित कर महिलाओं के आत्मनिर्भर ़र भी जोर दिया। विश्वविद्यालय के ति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि

किसान मेले में वीज के लिए लगी किसानों की भीड़। फोटो : एसएनबी

किसानों को रवी फसल व सब्जियों के वीज तथा फलों की नर्सरी उपलव्ध कराने के लिए

सौ से अधिक स्टॉलों का किसानों ने किया भ्रमण

विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से वीज विक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि वीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे है। इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी, विश्वविद्यालय, आईसीएआर और मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। यहां कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसानों की खेती संवंधी समस्याओं के हल वताए गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजीव ने किया। इस दौरान डॉ.आरके यादव, डॉ.पीके सिंह, डॉ.पीके उपाध्याय, डॉ.सीएल मौर्य और डॉ.महक सिंह आदि थे।

मौसम की जानकारी के लिये क्यूआर कोड : मेले में सीएसए के सस्य विज्ञान विभाग ने मौसम का हाल जानने के लिए एक क्यूआर कोड जारी किया है। इस क्यूआर कोड को स्कैन कर किसान घर वैठे अगले पांच दिनों के मौसम का हाल जान सकेंगे। यह क्यूआर कोड फिलहाल 20 शहरों के लिए जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ.एसएन पाण्डेय ने वताया कि यह किसानों की सुविधा के लिये किया गया है। इसकी सहायता से किसान वुआई से पहले मौसम का हाल जान सकेंगे।

डायविटीज मरीजों के लिये चावल इर्री 147 : मेले के दौरान किसानों को इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित चावल की प्रजाति इर्री 147 से परिचित कराया गया। उन्हें वताया गया कि यह चावल डायविटीज के मरीज खा सकते हैं। वैज्ञानिक डॉ.प्रियवर्ती राय ने वताया कि इस प्रजाति का चावल खाने के वाद ग्लूकोज खून में धीरे धीरे मिलता है, जिससे चावल खाने से मरीज का शुगर लेवल नहीं वढ़ता है।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, मंगलवार 10 अक्टूबर 2023

किसान मेले में कृषकों की भारी भीड़, रबी फसलों के बीज रहे मुख्य आकर्षण का केंद्र

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज भी प्रदेश भर से किसानों का आना जारी रहा मेले के दूसरे दिन कल्याणपुर विधानसभा की विधायिका नीलिमा कटियार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती से संबंधित नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा उन्हें कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त होने का अवसर मिलेगा उन्होंने कृषक आधारित अनुसंधान पर भी बल दिया तथा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन कर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर भी जोर दिया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को रबी मौसम के फसलों व सब्जियों के बीच तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की है उन्होंने कहा कि बीज के अतिरिक्त किसान को कृषि उपयोगी साहित्य भी वितरित किए जा रहे हैं इस किसान मेले में सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी, विश्वविद्यालय, आईसीएआर एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के 100 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया जिसमें किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का हाल भी किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर राजीव ने किया जबकि अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने किया इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य, डॉक्टर मुक्त गर्ग, डॉ खलील खान एवं डॉ महक सिंह सहित सभी अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 10/10/2023

छात्रों ने छेने के पानी से बनाया कृषि कोला

सीएसए के कृषि विज्ञान मेले में विभिन्न प्रजातियों के लगाए गए हैं स्टाल, कम सिंचाई पर भी तैयार होगा गन्ना

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी (सीएसए) विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान मेले में उन क्षेत्रों के किसानों के लिए भी गन्ने की प्रजाति हाजिर है, जहां सिंचाई के लिए पानी प्रचुर मात्रा में नहीं है और बरसात भी कम होती है। सूखा से प्रभावित न होने वाली यह प्रजाति गुड़ उत्पादन के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है और चीनी मिलें भी इसे खरीद रही हैं। मेले में सीएसए के छात्रों का छेने के पानी से तैयार कृषि कोला भी दिखा जो स्वास्थ्यवर्धक कोल्ड ड्रिंक है।

सीएसए के अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के स्टाल पर सूखा प्रतिरोधी गन्ने की प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। मुख्य तकनीकी अधिकारी डा. ओमप्रकाश ने बताया कि गन्ने की तीन प्रजातियां कोलख -09204, 14201 और 15201 के बारे में किसानों को जानकारी दी है। यह ऐसी प्रजाति है जो सूखा प्रतिरोधी है यानी कम पानी मिलने पर भी सूखती नहीं है। इससे तैयार गुड़ बहुत स्वादिष्ट होता है। चीनी मिलें भी इस प्रजाति के गन्ने को खरीद रही हैं। आइसीएआर आणंद के स्टाल पर आयुर्वेद औषधि में प्रयोग होने वाली सतावरी, अश्वगंधा, ब्राह्मी , कालमेघ व अन्य फसलों की जानकारी दी गई। केंद्र के वनस्पति विज्ञानी डा. मनीष मित्तल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के किसान सतावरी, कालमेघ और जल ब्राह्मी की खेती आसानी से कर सकते हैं। सिंचाई की बहुतायत वाले क्षेत्रों में जल ब्राह्मी की खेती की जा सकती है। यह किसानों की आय चार गुणा तक बढ़ा देगी। परिषद के बेंगलुरु केंद्र के स्टाल पर बागवानी व सब्जी फसलों के बीज व उत्पादन के बारे में डा. चैतन्य ने बताया कि आम व सब्जी की फसलों पर कीटनाशकों के बजाय केंद्र में विकसित माइक्रोन्यूट्रिएंट का प्रयोग किया जा सकता है। इससे फसल का उत्पादन भी 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

सीएसए के कृषि विज्ञान मेले में कृषि कोला की जानकारी देते छात्र ● जागरण

शून्य ऊर्जा शीत भंडार के बारे में बतातीं सीएसजेएमयू की छात्रा साक्षी राठौर ● जागरण

सीएसए के डेरी टेक्नोलाजी विभाग में तैयार किया गया कृषि कोला ● जागरण

गन्ने की प्रजाति ● इंटरनेट मीडिया

कोल्ड ड्रिंक में संतरे का स्वाद और पौष्टिक भरपूर

सीएसए के डेरी टेक्नोलाजी विभाग के छात्रों ने छेने के पानी से संतरे के स्वाद वाला शीतल पेय कृषि कोला तैयार किया है। 10 रुपये में बिक रहे इस कोला को किसानों ने खूब पसंद किया। विभाग के डा. समरजीत सिंह ने बताया कि यह शीतल पेय अत्यंत पौष्टिक है। इसमें वे-प्रोटीन सबसे ज्यादा है। इससे पाचन संबंधी बीमारियां भी खत्म हो जाती हैं।

बिना बिजली 10 दिन तक ताजा रहेंगे सब्जी-फल

सीएसजेएमयू के स्टाल पर एग्री इकोनामी विद्यार्थियों ने विज्ञान के साथ गांव जीवन का माडल लगा रखा है, जिसमें शून्य ऊर्जा शीत भंडार की जानकारी दी गई है। इस भंडारण से बिना बिजली के ही 10 दिन तक सब्जी व फल को ताजा रखा जा सकता है।

दो दिन में बिके 47 लाख रुपये के बीज

जासं, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में दो दिन के दौरान 47 लाख रुपये के बीज किसानों को बेचे गए। दूसरे दिन के समारोह की मुख्य अतिथि व कल्याणपुर क्षेत्र की विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुणा करने का लक्ष्य दिया है। कृषि विज्ञानी और किसान दोनों मिलकर इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता युक्त बीज और उन्नत तकनीक से किसानों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने किसानों को मेले में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो दिन में 47 लाख रुपये के बीज बेचे गए हैं। कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा में किसानों की खेती संबंधी समस्याओं का निदान भी किया गया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन निदेशक प्रसार डा. ओरके यादव ने किया। इस अवसर पर निदेशक शोध डा.पी के सिंह, कुल सचिव डा. पी के उपाध्याय,अधिष्ठाता कृषि संकाय डा.सी एल मौर्य, डा. मुक्ता गर्ग, डा.खलील खान, डा.महक सिंह उपस्थित रहे।